An ISO 9001:2015 certified
आदित्य रंजन, भा.प्र.से.
राज्य परियोजना निदेशक

झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्
जे.एस.सी.ए. स्टेडियम रोड, सेक्टर–3,
धुर्वा, राँची – 834 004
दूरभाष – 0651-2444501, 2444502, फैक्स – 2444506
ई–मेल: **jepcranchi1@gmail.com**

पत्रांक : QU/02/2008/II/ 3168 **दिनांक – 27/08/2024**

सेवा में,

सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी–सह–जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
सभी जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा, झारखण्ड।

विषय : राज्य के सभी प्राथमिक विद्यालयों में 3 से 8 आयुवर्ग के बच्चों में पठन को प्रोत्साहित करने एवं पठन कौशल के विकास हेतु "सब पढ़े–मेक रूम फॉर अर्ली लर्निंग" रीडिंग कैम्पेन कार्यक्रम आयोजित करने के संबंध में

महाशय / महाशया,

उपर्युक्त विषयक कहना है कि पढ़ना बच्चों की शैक्षणिक यात्रा और जीवन के अवसरों को प्रभावित करने वाला एक मूलभूत कौशल है। बच्चों का पठन कौशलों उनके व्यक्तिगत और अकादमिक सफलताओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। । NEP 2020 रचनात्मक एवं सीखने के रोचक तरीकों से बच्चों की साक्षरता कौशलों के विकास पर जोर देती हैं ताकि ऐसे परिवेश का निर्माण किया जा सके जहाँ पढ़ना सीखने का अभिन्न अंग बन सके।

इन्ही संदर्भों को संज्ञान में रखते हुए राज्य द्वारा **निपुण भारत मिशन** कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में राज्य द्वारा सभी प्राथमिक विद्यालयों में 3 से 8 आयुवर्ग के बच्चों में पठन को प्रोत्साहित करने एवं पठन कौशल के विकास हेतु IPEL, यूनिसेफ और रूम टू रीड के सहयोग से **"सब पढ़े" रीडिंग कैम्पेन** कार्यक्रम का आयोजन **दिनांक 27 अगस्त से 9 सितम्बर, 2024** तक किया जा रहा है। रीडिंग कैम्पेन में विद्यालय स्तर पर आयोजित की जाने वाली तिथिवार गतिविधियाँ निम्नवत है – (इन गतिविधियों के क्रियान्वयन संबंधी विवरण संलग्न मार्गदर्शिका में दी गई है) –

क्र.स.	आयोजन तिथि	गतिविधि
1	27 अगस्त 2024	सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर राज्य स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वीडियो बाइट के साथ रीडिंग कैंपेन का शुभारम्भ, राज्य स्तर पर मोबाइल पुस्तकालय वैन का उद्घाटन, कक्षा में पुस्तकालय संवर्द्धन
2	28 अगस्त 2024	पठन गतिविधियाँ और प्रतिज्ञा पठन (प्लेज रीडिंग टाइम)
3	29 अगस्त 2024	कहानी कथन
4	30 अगस्त 2024	अभिनय और नाटक
5	31 अगस्त 2024	"समझ के साथ पढ़ने" से जुड़े खेल
6	2 सितंबर 2024	ड्राइंग और पेंटिंग
7	3 सितंबर 2024	रीड–ए–थॉन (जिला / ब्लॉक के द्वारा रीड–ए–थॉन में शामिल प्रतिभागियों की संख्या का उल्लेख करते हुए एक फॉर्म साझा किया जाएगा।)
8	4 सितंबर 2024	लेखक / चित्रकार का परिचय एवं चर्चा
9	5 सितंबर 2024	मुखर वाचन एवं जोड़ो में पठन
10	6 सितंबर 2024	परिवार के साथ पढ़ना
11	7 सितंबर 2024	बच्चों का सम्मान एवं किताबों की प्रदर्शनी
12	9 सितंबर 2024	'Foundation learning' विषय पर राज्य स्तरीय सेमिनार के साथ समापन समारोह (जिला स्तर पर सेमिनार में जुड़ने के लिए ऑनलाइन लिंक साझा किया जायेगा)

(30 अगस्त से 7 सितम्बर हर जिले पर 'प्रारंभिक शिक्षा सप्ताह समारोह' मनाया जायेगा, ये गतिविधियाँ 3–8 उम्र के बच्चों के बीच ही करवाया जाना है।)

उपरोक्त कैम्पेन के संबंध में स्कूल एवं जिले के स्तर पर की जाने वाली गतिविधियाँ, विभिन्न हितधारकों की भूमिका व उनसे संबंधित जिम्मेदारी एवं कैम्पेन के प्रचार – प्रसार के लिए सोशल मीडिया के

An ISO 9001:2015 certified
आदित्य रंजन, भा.प्र.से.
राज्य परियोजना निदेशक

झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्
जे.एस.सी.ए. स्टेडियम रोड, सेक्टर–3,
धुर्वा, राँची – 834 004
दूरभाष – 0651-2444501, 2444502, फैक्स – 2444506
ई–मेल: **jepcranchi1@gmail.com**

विभिन्न प्लैटफॉर्म्स पर किए जाने वाले कार्यों से संबंधित दिशानिर्देश पत्र के साथ संलग्न मार्गदर्शिका में दी गई है । अतएव निदेश है कि संलग्न मार्गदर्शिका का संदर्भ लेते हुए अपने जिले में निर्धारित तिथि के अनुसार गतिविधियों को आयोजित करना सुनिश्चित करेंगे ।

अनुलग्नक : यथोक्त।

विश्वासभाजन,

(आदित्य रंजन)
राज्य परियोजना निदेशक
विश्वासभाजन

ज्ञापांक : QU/02/2008/II/ 3168 **राँची, दिनांक :** 27/08 **/2024**

प्रतिलिपि : श्रीमती पारूल शर्मा, शिक्षा विशेषज्ञ, यूनिसेफ, झारखण्ड/श्रीमती पारोमिता मजूमदार, राज्य प्रमख, IPEL FLN PMU झारखण्ड/ श्री सूरज कुमार पाण्डेय, राज्य प्रमुख, रूम टू रीड को सूचनार्थ एवं अनुरोध है कि जिलों के साथ समन्वय स्थापित करते हुये कार्य करेंगे।

(आदित्य रंजन)
राज्य परियोजन निदेशक

रीडिंग कैम्पेन 2024 **नोट** : 27 **अगस्त** – 9 **सितंबर** 2024

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा आईपीईएल, यूनिसेफ और रूम टू रीड इंडिया ट्रस्ट के सहयोग से विद्यालयों में रीडिंग कैम्पेन 2024

"Everyone Reads-Make Room for Early Learning"

पृष्ठभूमि:

पढ़ना बच्चों की शैक्षिक यात्रा और जीवन के अवसरों की बेहतरी के लिए एक मूलभूत कौशल है। पढ़ना एक उच्चस्तरीय कौशल है जिसका साकारात्मक असर व्यक्तिगत और शैक्षणिक प्रदर्शन पर पड़ता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति **2020 (NEP 2020)** पढ़ने लिखने के कौशल के मजबूत नींव को भावी विद्यालयी एवं जीवन के लिए अपरिहार्य मानता है। **NEP 2020** रोचक और रचनात्मक शिक्षण विधियों द्वारा ऐसे परिवेश के निर्माण पर ज़ोर देता है जहाँ बच्चे पढ़ना सीख सकें।

सभी शोध प्रारंभिक वर्षों में धाराप्रवाह पढ़ने के महत्व को रेखांकित करते हैं। शोध बताते हैं कि बच्चों की औपचारिक शिक्षा शुरू होने के बहुत पहले ही उनके मस्तिष्क के विकास के लिए एक उपयुक्त वातावरण की जरूरत होती है। प्रारम्भिक शिक्षा में निवेश उनकी क्षमताओं के विकास के लिए आवश्यक है। प्रारम्भिक बाल शिक्षा की मजबूत नींव उनके आगे की कक्षाओं के शिक्षण एवं समाज के लिए एक सशक्त नागरिक बनने के लिए जरूरी है। इसलिए 3-8 वर्ष की आयु की प्रारम्भिक शिक्षण के वर्षों में हमें अपना पूरा ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता होती है।

वर्ल्ड बैंक के *द स्टेट ऑफ ग्लोबल लर्निंग पौवर्टी 2022* के अनुसार कोविड के बाद निम्न और मध्य आय वाले देशों में लर्निंग पौवर्टी एक तिहाई बढ़ गई है जहाँ 10 वर्ष के लगभग 70% बच्चे एक सरल लिखित टेक्स्ट को पढ़ने में अक्षम हैं। महामारी का प्रतिकूल असर बच्चों के अधिगम और सामाजिक मनोवैज्ञानिक विकास पर पड़ा है। पढ़ने की आदत का विकास बच्चों के अकादमिक प्रगति को बढ़ाने और उन्हें भावनात्मक रूप से लचीला बनने में सहायक होता है।

यूनेस्को द्वारा साक्षरता के महत्त्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से हर वर्ष **8** सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाता है। झारखंड की स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग द्वारा राज्य के प्रारंभिक स्तर के बच्चों विशेषकर नव साक्षरों एवं पहली पीढ़ी के विद्यालय जाने वालों में पठन की संस्कृति एवं उसके चाव के विकास के लिए **27** अगस्त से **7** सितंबर तक **रीडिंग कैम्पेन** का आयोजन किया जा रहा है। पंद्रह दिनों तक चलने वाले इस कैम्पेन की रूपरेखा झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा यूनिसेफ़, आई पी ई एल, रूम टू रीड इंडिया के सहयोग से बनाया गया है। कैम्पेन की विभिन्न गतिविधियों द्वारा बच्चों में बाल साहित्य के प्रति लगाव एवं पढ़ने का जुनून लाने का प्रयास किया जाएगा। यह कैंपेन जेंडर समावेशी होगा एवं सभी बच्चों को पढने के सामान अवसर प्रदान करेगा |

मुख्य उद्देश्य:

- **पढ़ने में रुचि विकसित करना:** प्रारंभिक शिक्षा की मजबूत नींव आगे की कक्षाओं में सुगमता के लिए जरूरी है । शुरुआती वर्षों (3-8 वर्ष) में किताबों के साथ व्यवस्थित रूप से जुड़ने से बच्चों में पढ़ने की सहज आदत विकसित होती है।
- **साक्षरता कौशल का विकास:** बच्चों में बुनियादी पढ़ने के कौशल विकसित करना ताकि वे अपनी समझ और अभिव्यक्ति के कौशल विकसित कर सकें।
- **पढ़ाई के महत्त्व पर समुदाय और अभिभावकों के जुड़ाव को प्रोत्साहित करना:** विद्यालय के बाहर पढ़ने के महत्व पर जोर देने एवं पढ़ने के लिए साकारात्मक माहौल बनाने के लिए पढ़ने की गतिविधियों में माता-पिता और समुदाय के सदस्यों को शामिल करना।

Reading Campaign के दौरान की जाने वाली गतिविधियां (27 अगस्त से 9 सितंबर)

सप्ताह 0: पठन अभियान के लिए उन्मुखीकरण (अभियान से पहले)

- **ऑनलाइन वेबिनार** (23 **अगस्त**) **द्वारा उन्मुखीकरण:** जेईपीसी, अभियान के उद्देश्यों, भूमिकाओं और जिम्मेदारियों, पढ़ने की गतिविधियों, अभियान से जुड़ी रिपोर्टिंग संरचना पर एडीपीओ, बीआरपी, सीआरपी, सीएसओ, DIET संकाय सदस्यों के साथ एक ऑनलाइन वेबिनार आयोजित करेगा।

सप्ताह 1 और 2 (अभियान के दौरान)

- **अभियान का उद्घाटन (27 अगस्त)**

राज्य स्तर पर मोबाइल लाइब्रेरी वैन को हरी झंडी दिखाना- मोबाइल लाइब्रेरी वैन का उद्घाटन राज्य में किया जाएगा और कुछ जिलों (रांची, बोकारो एवं हजारीबाग), में वैन विद्यालयों का भ्रमण करेंगे जिससे छात्रों तक पुस्तकों के एक समृद्ध संग्रह की पहुँच होगी। इसका उद्देश्य विविध पठन सामग्री तक पहुंच बढ़ाना, साक्षरता को बढ़ावा देना और बच्चों के बीच पढ़ने के प्रति चाव विकसित करना है।

साथ ही राज्य स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वीडियो बाइट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स के माध्यम से पुरे राज्य साझा किया जाएगा।

विद्यालय स्तर पर संचालित की जाने वाली गतिविधियां

- **पहला दिन (27 अगस्त) - कक्षा में पुस्तकालय संवर्द्धन (27 अगस्त)**

शिक्षक विद्यालय बाल साहित्य की किताबें, पंख पत्रिकाएँ, रीडिंग कार्ड्स, कहानी/ कविता चार्ट को पुस्तकालय में व्यवस्थित करके रखेंगे और बच्चों को पुस्तकालय आकर अपने पसंद की किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

जिन विद्यालयों में पुस्तकालय के लिए अलग से कक्ष नहीं है, वहाँ पंख पत्रिकाओं, बाल साहित्य की पुस्तकों, कविता चार्ट, गतिविधि चार्ट को शिक्षकों द्वारा बच्चों (बाल संसद के सदस्यों -विशेषकर पुस्तकालय मंत्री) की मदद से व्यवस्थित रूप से रख कर रीडिंग कॉर्नर जाएगा। रीडिंग कॉर्नर में रखी सामग्रियों को शिक्षक रोजाना बच्चों को देखने, चुनने, पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

- **दूसरा दिन (28 अगस्त) – प्रतिज्ञा पठन (प्लेज रीडिंग टाइम):** कैम्पेन के दौरान पढ़ने की प्रतिज्ञा लें। प्रतिज्ञा का विवरण नीचे दिया गया है।

पठन अभियान के दौरान "प्रतिज्ञा पठन (प्लेज रीडिंग)" किया जाएगा जहां प्रतिभागी प्रत्येक दिन 20 मिनट किताबें पढ़ने के लिए समर्पित करने की शपथ लेंगे। यह प्रतिज्ञा पढ़ने के महत्व के लिए एक प्रतीकात्मक प्रतिबद्धता के रूप में कार्य करती है एवं इस धारणा को मजबूत करती है कि लगातार, दैनिक पढ़ने से साक्षरता कौशल में काफी वृद्धि हो सकती है और पुस्तकों के लिए आजीवन चाव को बढ़ावा मिल सकता है। इस प्रतिज्ञा को एक साथ लेने से, छात्र, शिक्षक और समुदाय के सदस्य सामूहिक रूप से पढ़ने की आदत को अपनाएंगे, जिससे यह उनकी दिनचर्या में एक साझा प्राथमिकता बन पाएगी।

"प्रतिज्ञा पठन" के दौरान पढ़ी जाने वाली प्रतिज्ञा –

"हम समझते हैं, कि पढ़ना अज्ञात दुनिया के लिए एक जादुई प्रवेश द्वार है, जहां रहस्य खुलते हैं और सपने उड़ते हैं।

हम अपने जीवन में एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में पढ़ने की शक्ति को स्वीकार करते हैं। हमारा मानना है कि हर पृष्ठ मोड़ के साथ, हम नई दुनिया, नए दृष्टिकोण और विकास के नए अवसरों के द्वार खोलेंगे, और आइए हम एक साथ पढ़ने की दैनिक यात्रा शुरू करने का संकल्प लें और प्रतिज्ञा करें कि आज से हम दिन में 20 मिनट के लिए एक किताब पढ़ेंगे और अपने परिवार और दोस्तों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे

जय हिंद।
जय झारखंड।

- **तीसरा दिन (29 अगस्त) - कहानी कथन:** यह सत्र बच्चों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने का एक प्रयास है। स्थानीय लोगों द्वारा अपनी पारंपरिक लोक कथाओं और कहानियों को अपनी भाषा में साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे समुदाय के बीच आपसी संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा, और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

30 अगस्त से 7 सितम्बर हर जिले पर '**प्रारंभिक शिक्षा सप्ताह समारोह**' मनाया जायेगा। प्रत्येक **बालवाटिका और प्राथमिक विद्यालय** "प्रारंभिक शिक्षा सप्ताह समारोह" के रूप में मनाएंगे, जो प्रारंभिक शिक्षा को प्राथमिकता देने पर केन्द्रित होगा। कैम्पेन की गतिविधियों को टैगलाइन 'Make Room for Early Learning' एवं 'Everyone Reads' के साथ आयोजित किया जाएगा।

- **चौथा दिन (30 अगस्त) - अभिनय और नाटक:** बच्चों द्वारा पढ़ी गई कहानियों के आधार पर उन्हें छोटे-छोटे नाटक तैयार करने को कहा जायेगा, जिससे उनकी कल्पनाशीलता और अभिव्यक्ति की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चे नाटक की बारीकियों जैसे संवाद, शारीरिक भाषा, और भाव-प्रदर्शन को सीख पायेंगे, जो उनके आत्मविश्वास और संचार कौशल को मजबूत करेगा। नाटक तैयार करने के दौरान बच्चे समूहों में काम करेंगे, जिससे उनमें टीमवर्क, सहयोग और एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करने का कौशल विकसित होगा।

- **पांचवा दिन (31 अगस्त) - समझ के साथ पढ़ने से जुड़े खेल:** बच्चों को ऐसे खेलों से जोड़ना जो उन्हें कहानी-मानचित्रण और चरित्र विश्लेषण जैसे पढ़ने की समझ कौशल के विस्तार करने में मदद करेगा।

कहानी-मानचित्रण (Story Mapping): इस खेल में बच्चों को एक कहानी पढ़ने के बाद उसके मुख्य बिंदुओं को एक चार्ट पर दर्शाना होता है। बच्चे कहानी की शुरुआत, मध्य और अंत को क्रम में लिखते हैं, जिससे उन्हें कहानी के क्रम और घटनाओं की समझ विकसित होती है।

पात्र विश्लेषण (Character Analysis): इस खेल में बच्चों को कहानी के विभिन्न पात्रों का विश्लेषण करने के लिए कहा जाता है। उदाहरण के लिए, बच्चों से पूछा जा सकता है कि "इस पात्र ने ऐसा क्यों किया?" या "अगर आप इस पात्र की जगह होते, तो क्या करते?

चर्चा और समूह गतिविधियाँ (Discussion and Group Activities): बच्चों को कहानी पढ़ने के बाद समूहों में विभाजित किया जाता है, और उन्हें कहानी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए कहा जाता है।

- **छठा दिन (2 सितंबर) - ड्राइंग और पेंटिंग:** बच्चे अपनी पसंदीदा कहानी की किताबों से चित्र बनाएंगे। शिक्षक बच्चों से कहानी की किताबों और पोस्टर में बने चित्रों पर बातचीत करेंगे और उनकी पसंदीदा किताबों से चित्र बनाने को प्रोत्साहित करेंगे। बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों को शिक्षक दीवार पर लगाएंगे। जब बच्चे अपनी पसंदीदा कहानी की किताबों से चित्र बनाते हैं, तो यह उनकी कल्पना को विस्तार देने और कहानी के साथ गहराई से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है।

- **सातवाँ दिन (3 सितंबर, सुबह 11 बजे से 11.30 बजे) – रीड-ए-थॉन***। इससे संबंधित विवरण नीचे दिए

गए हैं।

- **आठवाँ दिन (4 सितंबर) – लेखक / चित्रकार का परिचय:** शिक्षक द्वारा विभिन्न लेखकों का चयन किया जाएगा, चर्चा उनके काम और लेखन के इर्द-गिर्द होगी। लेखक या चित्रकार का परिचय कराना एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधि है जो बच्चों को साहित्यिक और कला की दुनिया से जुड़ने में मदद करता है। जब शिक्षक बच्चों को विभिन्न लेखकों और चित्रकारों से परिचित कराते हैं, तो यह न केवल उनकी जानकारी बढ़ाता है बल्कि उन्हें लेखन और कला के प्रति झुकाव विकसित करने के लिए भी प्रेरित करता है।
- **नौवां दिन (5 सितंबर) – मुखर वाचन एवं जोड़ों में पठन:** शिक्षक बच्चों के साथ कहानी की किताबों का मुखर वाचन करेंगे। इस गतिविधि में, शिक्षक बच्चों को किताब से कहानी को उचित गति, हावभाव और शुद्धता से पढ़कर सुनायेंगे | जब शिक्षक किसी कहानी या पाठ को उचित गति, हाव-भाव, और शुद्धता के साथ सुनाते हैं, तो यह बच्चों को धाराप्रवाह पठन में मदद करता है| शिक्षक बच्चों को जोड़ों में पढ़ने के लिए भी प्रोत्साहित करेंगे। बच्चों को जोड़ों में बांटा जाता है, जिसमें एक बच्चे की पढ़ने की क्षमता बेहतर होती है। इस गतिविधि में दोनों ही बच्चे साथ मिल कर किताब पढ़ते हैं, यह गतिविधि दोनों बच्चों में पढने की क्षमताओं का विकास करती है|

- **दसवां दिन (6 सितंबर) - परिवार के साथ पढ़ना :** माता-पिता विद्यालय में बच्चों के साथ बाल साहित्य, कविता/ कहानी पोस्टर, रीडिंग कार्ड्स पढ़ेंगे। इससे घरों में भी पढ़ने की संस्कृति समृद्ध होती है। माता – पिता और बच्चों दोनों को विद्यालय के बाहर भी पढ़ने के महत्त्व का आभास होता है।
- **ग्यारहवाँ दिन (7 सितंबर) – बच्चों का सम्मान एवं किताबों की प्रदर्शनी:** शिक्षक रोचक गतिविधियों द्वारा बच्चों के बीच पढ़ने की प्रतिस्पर्धा आयोजित करेंगे और समझ के साथ धाराप्रवाह पढ़ने वाले बच्चों को सम्मानित करके उनका मनोबल बढ़ाएँगे।

➤ कैम्पेन के दौरान के अनुभवों को बच्चों को साझा करने दिया जाएगा।
➤ बच्चों को अपने अनुभवों पर चर्चा करने, अपनी सीख साझा करने और किताबों के पढ़ कर उन्हें अपनी कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
➤ शिक्षक बच्चों को पढ़ने की आदत विकसित करने और इसे पूरे वर्ष बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षक विद्यालयों में बाल साहित्य की किताबें, पंख पत्रिकाएँ, रीडिंग कार्ड्स की प्रदर्शनी लगाएंगे एवं बच्चों को इन सामग्रियों को प्रतिदिन देखने, चुनने और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

<u>तिथिवार विद्यालय स्तर पर संचालित की जाने वाली गतिविधियो</u>

अभियान का उद्घाटन और कक्षा में पुस्तकालय संवर्द्धन - 27 अगस्त	प्लेज रीडिंग टाइम (28 अगस्त)	कहानी कथन (29 अगस्त)	अभिनय और नाटक (30 अगस्त)
समझ के साथ पढ़ने से जुड़े खेल (31 अगस्त)	ड्राइंग और पेंटिंग (2 सितंबर)	रीड-ए-थॉन- Read-a-Thon (3 सितंबर)	लेखक / चित्रकार का परिचय एवं चर्चा (4 सितंबर)
मुखर वाचन एवं जोड़ो में पठन (5 सितंबर)	परिवार के साथ पढ़ना (6 सितम्बर)	बच्चों का सम्मान और किताबों की प्रदर्शनी (7 सितंबर)	'Foundational Learning' विषय पर राज्य स्तरीय सेमिनार (समापन समारोह 9 सितंबर)

'प्रारंभिक शिक्षा सप्ताह समारोह'

'Foundational Learning' विषय पर राज्य स्तरीय सेमिनार (समापन समारोह 9 सितंबर)

राज्य स्तर पर अग्रणी संस्थानों और विश्वविद्यालयों के सहयोग से "प्रारंभिक शिक्षा" सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। सेमिनार का उद्देश्य पंद्रह दिनों तक चले रीडिंग कैम्पेन में आयोजित गतिविधियों के बेहतर प्रयासों का साझाकरण एवं शिक्षा से जुड़े हितधारकों -- शिक्षका, स्वयं सेवी संस्थाओं एवं नीति निर्माताओं द्वारा प्रारम्भिक स्तर पर भाषा शिक्षण के लिए आगे की कार्ययोजना पर विचार करना है।

सेमिनार के दौरान, चर्चा के मुख्य बिन्दु होंगे-

- प्रारंभिक साक्षरता पठन कौशल के महत्व को समझना
- नवीन शिक्षण रणनीतियाँ
- प्रारंभिक साक्षरता कौशल का आकलन
- पढ़ने के प्रति लागाव बढ़ाने के तरीके

जिला स्तर पर सेमिनार में जुड़ने के लिए ऑनलाइन लिंक दिया जायेगा |

*रीड-ए-थॉन (3 सितंबर, सुबह 11 बजे से सुबह 11.30 बजे)

कई प्रतिभागी एक ही समय अवधि में अलग अलग जगहों पर एक साथ पढ़ते हैं।

रीड-ए-थॉन एक खुला मंच है जहां कोई भी आकर पढ़ सकता है । यह सभी हितधारकों **आंगनवाड़ी केंद्रों,** विद्यालयों**, समुदायों जैसे विभिन्न स्थानों** के लिए पठन को प्रोत्साहन और समर्थन देने के लिए एक प्रभावशाली तरीका है। यह रिकॉर्ड-सेटिंग गतिविधि सभी हितधारकों को एक तय दिन और समय पर 30 मिनट पढ़ने के लिए

प्रेरित करेगा। यह एक बड़े संख्या में लोगों की भागीदार बनाते हुए " Drop Everything And Read" के लिए प्रोत्साहित करेगा। इसका उद्देश्य पूरे राज्य में अपनी पहुंच बढ़ाना, बच्चों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, अभिभावकों, समुदायों, सरकारी पदाधिकारियों, भागीदारों और अन्य हितधारकों से अधिकाधिक भागीदारी प्रोत्साहित करना है।

'रीड-ए-थॉन' का आयोजन **3 सितंबर, 2024 को सुबह 11:00 बजे से 11:30 बजे तक** किया जाएगा। एक विश्वसनीय रिकॉर्ड-कीपिंग एजेंसी यह सुनिश्चित करेगी कि रिकॉर्ड-सेटिंग घटना **इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स** में जगह बना पाए। हमारा उद्देश्य पढ़ने के रुचि के प्रति एक व्यापक प्रतिबद्धता को प्रेरित करना है ताकि हितधारकों की उल्लेखनीय भागीदारी दर्ज़ हो सके।

रीड-ए-थॉन से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदु

- **आप इस रिकॉर्ड बनने वाले आयोजन में कैसे भाग ले सकते हैं?**

3 सितंबर, 2024 को सुबह 11:00 बजे से 11:30 बजे तक रीड-ए-थॉन में शामिल हों। पढ़ने के लिए 30 मिनट समर्पित करें, और सुनिश्चित करें कि आपका स्थान फ़ोटो और वीडियो के साथ दर्ज़ हो। इस गतिविधि में भाग लेने वाले लोग सामूहिक पठन के रिकॉर्ड निर्माण गतिविधि का हिस्सा होंगे और प्रारंभिक शिक्षा को बढ़ावा देने वाले दूत बनेंगे।

- **रीड-ए-थॉन के दौरान भागीदारी के सत्यापन का क्या तरीका होगा?**

जिला/ब्लॉक के द्वारा रीड-ए-थॉन में शामिल प्रतिभागियों की संख्या का उल्लेख करते हुए एक फॉर्म साझा किया जाएगा।

सोशल मीडिया पर की जा सकने वाली गतिविधियों की सूची

अभियान की व्यापक पहुंच के लिए एक सोशल मीडिया रणनीति की आवश्यकता है। अभियान को प्रचारित करने के लिए प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर – एक्स) का उपयोग किया जाएगा। एसआरजी सदस्यों, शिक्षक लेखकों और वरिष्ठ पदाधिकारियों से नियमित रूप से संदेश भेजे जाएंगे।

हैश टैग: हर सोशल मीडिया पोस्ट को हैशटैग #ReadingCampaign2024, #Everyonereads, #MakeRoomforEarlyLearning के साथ पोस्ट किया जाएगा,

अकाउंट टैगिंग: पोस्ट शेयर करते समय निम्नलिखित सोशल मीडिया अकाउंट्स को टैग किया जाएगा।

फ़ेसबुक : @JEPCJharkhand, @NIPUN झारखंड, शिक्षा @MinistryofEducation, @RoomtoReadIndia, @unicefindia, @IPEL, @USAID, @KPMGINDIA

ट्विटर: @IPEL_India, @JEPC Jharkhand, @EduMinOfIndia @RoomtoReadIndia, @unicefindia, @USAID, @KPMGINDIA

भूमिका और जिम्मेदारियां

शिक्षक और विद्यालय **स्टाफ**

- विद्यालय स्तर पर गतिविधियों की योजना और संचालन।

- रीडिंग कॉर्नर और पुस्तकालयों की स्थापना या सुधार के माध्यम से बच्चों को विकासात्मक रूप से उपयुक्त कहानी की किताबें उपलब्ध कराना।
- गतिविधियों के लिए एसएमसी सदस्यों और समुदाय के सदस्यों के साथ समन्वय करना।
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रीडिंग अभियान से संबंधित सामाजिक पोस्ट के साथ नियमित रूप से जुड़ना।

DIET संकाय

- विद्यालय स्तर पर गतिविधियों के संचालन में अपने संबंधित जिलों के शिक्षकों को तकनीकी सहायता प्रदान करना।
- नियमित रूप से विद्यालयों का भ्रमण करें और गतिविधियों में भाग लेना।
- नियमित पठन गतिविधियों का संचालन करना जैसे कि बच्चों के साहित्य के महत्व पर चर्चा, पसंदीदा पुस्तकों/लेखक पर चर्चा, DIET में रीड-ए-थॉन।
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रीडिंग कैंपेन से संबंधित पोस्ट के साथ नियमित रूप से जुड़ना।

बीआरपी और सीआरपी

- विद्यालय स्तर पर नियमित रूप से पढ़ने की गतिविधियों में भाग लेना।
- पढ़ने की गतिविधियों के संचालन में विद्यालयों को तकनीकी और कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करना।
- अपने संबंधित ब्लॉकों और संकुलों में विद्यालयों की गतिविधियों का समय पर गुणवत्तापूर्ण कार्यान्वयन सुनिश्चित करना।
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रीडिंग कैंपेन से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट से नियमित रूप से जुड़ना।

संबद्ध गैर सरकारी संगठन

- परियोजना संचालित जिलों में गतिविधियों के संचालन में सहायता करना
- जिला, ब्लॉक और विद्यालय स्तर की पठन गतिविधियों में भाग लेना।
- रीडिंग अभियान के तहत गतिविधियों पर फोटो, वीडियो और लेखन के रूप में नियमित रूप से अपडेट साझा करना।
- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रीडिंग कैंपेन से संबंधित पोस्ट के साथ नियमित रूप से जुड़ना।

रिपोर्टिंग और अनुश्रवण

विभिन्न स्तरों पर पढ़ने की गतिविधियों की रिपोर्टिंग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नियमित अपडेट साझा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह कैम्पेन की अंतिम रिपोर्ट तैयार करने में भी सहायक है।

- नियमित अपडेट साझा करने के लिए सभी एडीपीओ, बीआरपी और सीआरपी और सीएसओ के सहयोग से एक राज्य स्तरीय व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा।
- इस समूह का उपयोग सोशल मीडिया पोस्ट, वेबिनार लिंक, संसाधन और अगले चरणों के लिंक साझा करने के लिए भी किया जाएगा।
- 3 सितंबर को प्रतिभागियों की संख्या का उल्लेख करते हुए जिला और ब्लॉक स्तर पर रीड-ए-थॉन प्रारूप भरना होगा।

आगे की रणनीति

- अभियान की प्रमुख सफलताओं, सीखों और चुनौतियों को समेकित करने के लिए एक रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

रीडिंग कैंपेन 2024

परिचय एवं उद्देश्य

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) पढ़ने लिखने के कौशल के मजबूत नींव को भावी विद्यालयी एवं जीवन के लिए अपरिहार्य मानता है। NEP 2020 रोचक और रचनात्मक शिक्षण विधियों द्वारा ऐसे परिवेश के निर्माण पर ज़ोर देता है जहाँ बच्चे पढ़ना सीख सकें।
- सभी शोध प्रारंभिक वर्षों में धाराप्रवाह पढ़ने के महत्व को रेखांकित करते हैं। शोध बताते हैं कि बच्चों की औपचारिक शिक्षा शुरू होने के बहुत पहले ही उनके मस्तिष्क के विकास के लिए एक उपयुक्त वातावरण की जरूरत होती है। प्रारम्भिक शिक्षा में निवेश उनकी क्षमताओं के विकास के लिए आवश्यक है।
- 27 अगस्त से 9 सितंबर तक पुरे राज्य मे **रीडिंग कैम्पेन** का आयोजन किया जा रहा है। कैम्पेन की विभिन्न गतिविधियों द्वारा बच्चों में बाल साहित्य के प्रति लगाव एवं पढ़ने का जुनून लाने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्य उद्देश्य

- **पढ़ने में रुचि विकसित करना**: प्रारंभिक शिक्षा की मजबूत नींव आगे की कक्षाओं में सुगमता के लिए जरूरी है । शुरुआती वर्षों (3-8 वर्ष) में किताबों के साथ व्यवस्थित रूप से जुड़ने से बच्चों में पढ़ने की सहज आदत विकसित होती है।
- **साक्षरता कौशल का विकास**: बच्चों में बुनियादी पढ़ने के कौशल विकसित करना ताकि वे अपनी समझ और अभिव्यक्ति के कौशल विकसित कर सकें।
- **पढ़ाई के महत्त्व पर समुदाय और अभिभावकों के जुड़ाव को प्रोत्साहित करना**: विद्यालय के बाहर पढ़ने के महत्व पर जोर देने एवं पढ़ने के लिए साकारात्मक माहौल बनाने के लिए पढ़ने की गतिविधियों में माता-पिता और समुदाय के सदस्यों को शामिल करना।

रीडिंग कैंपेन योजना

अभियान का उद्घाटन और कक्षा में पुस्तकालय संवर्धन (27 अगस्त)	प्लेज रीडिंग टाइम (28 अगस्त)	कहानी कथन (29 अगस्त)	अभिनय और नाटक (30 अगस्त)
समझ के साथ पढ़ने से जुड़े खेल (31 अगस्त)	ड्राइंग और पेंटिंग (2 सितंबर)	रीडाथन – Read-a-Thon (3 सितंबर)	लेखक / चित्रकार का परिचय एवं चर्चा (4 सितंबर)
मुखर वाचन एवं जोड़ो में पठन (5 सितंबर)	परिवार के साथ पढ़ना (6 सितम्बर)	बच्चों का सम्मान एवं किताबों की प्रदर्शनी (7 सितंबर)	'Foundational Learning' विषय पर राज्य स्तरीय सेमिनार (समापन समारोह 9 सितंबर)

'प्रारंभिक शिक्षा सप्ताह समारोह' (Early Learning Week Celebration)

अभियान का उद्घाटन (27 अगस्त)

राज्य स्तर पर मोबाइल लाइब्रेरी वैन को हरी झंडी दिखाना

मोबाइल लाइब्रेरी वैन का उद्घाटन राज्य में किया जाएगा और कुछ जिलों (रांची, बोकारो एवं हजारीबाग) में वैन स्कूलों का भ्रमण करेंगे जिससे छात्रों तक पुस्तकों के एक समृद्ध संग्रह की पहुँच होगी।

विडियो बाइट

राज्य स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वीडियो बाइट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स (X) के माध्यम से पुरे राज्य मे साझा किया जाएग

कक्षा में पुस्तकालय संवर्द्धन

जिन स्कूलों में पुस्तकालय के लिए अलग से कक्ष नहीं है, वहाँ उपलब्ध पुस्तकों से एक मिनी पुस्तकालय (Reading Corner) स्थापित किया जायेगा। उपलब्ध किताबों से शिक्षकों द्वारा बच्चों को पुस्तकें दी जाएंगी।

प्लेज रीडिंग टाइम (28 अगस्त)

प्रतिज्ञा पठन (प्लेज रीडिंग टाइम):

कैम्पेन के दौरान पढ़ने की प्रतिज्ञा लें।
प्रतिज्ञा का विवरण नीचे दिया गया है।

"हम समझते हैं, कि पढ़ना अज्ञात दुनिया के लिए एक जादुई प्रवेश द्वार है, जहां रहस्य खुलते हैं और सपने उड़ते हैं। हम अपने जीवन में एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में पढ़ने की शक्ति को स्वीकार करते हैं। हमारा मानना है कि हर पृष्ठ मोड़ के साथ, हम नई दुनिया, नए दृष्टिकोण और विकास के नए अवसरों के द्वार खोलेंगे, और आइए हम एक साथ पढ़ने की दैनिक यात्रा शुरू करने का संकल्प लें और प्रतिज्ञा करें कि आज से हम दिन 20 मिनट के लिए एक किताब पढ़ेंगे और अपने परिवार और दोस्तों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे"

जय हिंद। जय झारखण्ड |

कहानी कथन (29 अगस्त)

कहानी कथन:

- इस सत्र के अंतर्गत कहानी वाचन का आयोजन किया जाएगा |
- झारखण्ड की लोक कथाएं शिक्षकों और क्षेत्रीय कहानीकारों द्वारा सुनाई जाएंगी।
- यह सत्र बच्चों को अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ने का एक प्रयास होगा।
- स्थानीय लोग भी आमंत्रित होंगे ताकि वे अपनी पारंपरिक लोक कथाओं और कहानियों को अपनी भाषा में साझा कर सकें।
- इससे समुदाय के बीच आपसी संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा, और नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर मिलेगा

अभिनय और नाटक (30 अगस्त)

अभिनय और नाटक:

- बच्चों द्वारा पढ़ी गई कहानियों के आधार पर उन्हें छोटे-छोटे स्किट तैयार करने को कहा जायेगा, जिससे उनकी कल्पनाशीलता और अभिव्यक्ति की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा।
- इस गतिविधि के माध्यम से बच्चे नाटक की बारीकियों जैसे संवाद, शारीरिक भाषा, और भाव-प्रदर्शन को सीख पायेंगे, जो उनके आत्मविश्वास और संचार कौशल को मजबूत करेगा।
- स्किट तैयार करने के दौरान बच्चे समूहों में काम करेंगे, जिससे उनमें टीमवर्क, सहयोग और एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करने का कौशल विकसित होगा।

“समझ के साथ पढ़ने” से जुड़े खेल (31 अगस्त)

बच्चों को ऐसे खेलों से जोड़ना जो उन्हें कहानी–मानचित्रण और चरित्र विश्लेषण जैसे पढ़ने की समझ कौशल के विस्तार करने में मदद करेगा।

- कहानी–मानचित्रण (Story Mapping): इस खेल में बच्चों को एक कहानी पढ़ने के बाद उसके मुख्य बिंदुओं को एक चार्ट पर दर्शाना होता है। बच्चे कहानी की शुरुआत, मध्य और अंत को क्रम में लिखते हैं, जिससे उन्हें कहानी के क्रम और घटनाओं की समझ विकसित होती है।
- पात्र विश्लेषण (Character Analysis): इस खेल में बच्चों को कहानी के विभिन्न पात्रों का विश्लेषण करने के लिए कहा जाता है। उदाहरण के लिए, बच्चों से पूछा जा सकता है कि "इस पात्र ने ऐसा क्यों किया?" या "अगर आप इस पात्र की जगह होते, तो क्या करते?
- चर्चा और समूह गतिविधियाँ (Discussion and Group Activities): बच्चों को कहानी पढ़ने के बाद समूहों में विभाजित किया जाता है, और उन्हें कहानी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए कहा जाता है।

ड्राइंग और पेंटिंग (2 सितंबर)

अभिनय और नाटक:

- बच्चों द्वारा पढ़ी गई कहानियों के आधार पर उन्हें छोटे-छोटे स्किट तैयार करने को कहा जायेगा, जिससे उनकी कल्पनाशीलता और अभिव्यक्ति की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा।
- इस गतिविधि के माध्यम से बच्चे नाटक की बारीकियों जैसे संवाद, शारीरिक भाषा, और भाव-प्रदर्शन को सीख पायेंगे, जो उनके आत्मविश्वास और संचार कौशल को मजबूत करेगा।
- स्किट तैयार करने के दौरान बच्चे समूहों में काम करेंगे, जिससे उनमें टीमवर्क, सहयोग और एक-दूसरे के विचारों का सम्मान करने का कौशल विकसित होगा।

ड्राइंग और पेंटिंग:

बच्चे अपनी पसंदीदा कहानी की किताबों से चित्र बनाएंगे। जब बच्चे अपनी पसंदीदा कहानी की किताबों से चित्र बनाते हैं, तो यह उनकी कल्पना को विस्तार देने और कहानी के साथ गहराई से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। इस गतिविधि को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए हम निम्नलिखित तरीकों का उपयोग कर सकते हैं:

- कहानी के दृश्य चित्रित करना
- पात्रों की रचना
- अपनी कल्पना का प्रयोग

रीडाथन Read-a-Thon (3 सितंबर)

3 **सितंबर**, **सुबह** 11 **बजे से** 11.30 **बजे**

- **कई प्रतिभागी एक ही समय अवधि में अलग अलग जगहों पर एक साथ पढ़ते हैं** ।

- रीडाथन एक खुला मंच है जहां कोई भी आकर पढ़ सकता है। यह सभी **स्कूलों**, **समुदायों जैसे विभिन्न स्थानों** के लिए पठन को प्रोत्साहन और समर्थन देने के लिए एक प्रभावशाली तरीका है। यह रिकॉर्ड-सेटिंग गतिविधि सभी हितधारकों को एक तय दिन और समय पर 30 मिनट पढ़ने के लिए प्रेरित करेगा।

- यह एक बड़े संख्या में लोगों की भागीदार बनाते हुए " Drop Everything And Read" के लिए प्रोत्साहित करेगा। इसका उद्देश्य पूरे राज्य में अपनी पहुंच बढ़ाना, बच्चों, माता-पिता, समुदायों, सरकारी पदाधिकारियों, भागीदारों और अन्य हितधारकों से अधिकाधिक भागीदारी प्रोत्साहित करना है।

लेखक / चित्रकार का परिचय एवं चर्चा (4 सितंबर)

लेखक / चित्रकार का परिचय:

- शिक्षक द्वारा विभिन्न लेखकों का चयन किया जाएगा, चर्चा उनके काम और लेखन के इर्द–गिर्द होगी। यह बच्चों को लेखन के प्रति झुकाव और विभिन्न विषयों और लेखन शैली को समझने के लिए प्रोत्साहित करेगा।
- लेखक या चित्रकार का परिचय कराना एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधि है जो बच्चों को साहित्यिक और कला की दुनिया से जुड़ने में मदद करता है। जब शिक्षक बच्चों को विभिन्न लेखकों और चित्रकारों से परिचित कराते हैं, तो यह न केवल उनकी जानकारी बढ़ाता है बल्कि उन्हें लेखन और कला के प्रति झुकाव विकसित करने के लिए भी प्रेरित करता है |

मुखर वाचन एवं जोड़ो में पठन (5 सितंबर)

मुखर वाचन :

इस गतिविधि में, शिक्षक बच्चों को किताब से कहानी को उचित गति, हावभाव और शुद्धता से पढ़कर सुनायेंगे |जब शिक्षक किसी कहानी या पाठ को उचित गति, हाव–भाव, और शुद्धता के साथ सुनाते हैं, तो यह बच्चों को धाराप्रवाह पठन में मदद करता है |

जोड़ो में पठन:

बच्चों को जोड़ों में बांटा जाता है, जिसमें एक बच्चे की पढ़ने की क्षमता बेहतर होती है। इस गतिविधि में दोनों ही बच्चे साथ मिल कर किताब पढ़ते हैं, यह गतिविधि दोनों बच्चों में पढने की क्षमताओं का विकास करती है |

परिवार के साथ पढ़ना (6 सितंबर)

परिवार के साथ पढ़ना :

माता–पिता स्कूल में आ कर एवं समुदाय में बच्चों के साथ किताब पढ़ेंगे और पढ़ने की संस्कृति को समृद्ध बनाएँगे।

माता–पिता और समुदाय के सदस्यों की उपस्थिति बच्चों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बनती है, जिससे उन्हें समझ आता है कि पढ़ाई केवल एक स्कूल की गतिविधि नहीं है, बल्कि रोज़मर्रा की जिंदगी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

बच्चों को सम्मानित करना और स्कूलों में पुस्तकों की प्रदर्शनी (7 सितंबर)

- शिक्षक उन छात्रों को पहचानेंगे और सम्मानित करेंगे जिन्होंने अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया है।
- कैम्पेन के दौरान के अनुभवों को बच्चों को साझा करने दिया जाएगा।
- बच्चों को अपने अनुभवों पर चर्चा करने, अपनी सीख साझा करने और किताबों के पढ़ कर उन्हें अपनी कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- शिक्षक बच्चों को पढ़ने की आदत विकसित करने और इसे पूरे वर्ष बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक विद्यालयों में बाल साहित्य की किताबें, पंख पत्रिकाएँ, रीडिंग कार्ड्स की प्रदर्शनी लगाएंगे एवं बच्चों को इन सामग्रियों को प्रतिदिन देखने, चुनने और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

'Foundational Learning' विषय पर राज्य स्तरीय सेमिनार (समापन समारोह 9 सितंबर)

राज्य स्तर पर अग्रणी संस्थानों और विश्वविद्यालयों के सहयोग से "प्रारंभिक शिक्षा" सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। सेमिनार का उद्देश्य शिक्षकों को छोटे बच्चों में पढ़ने के कौशल को बढ़ाने के लिए नवीन रणनीतियों से परिचित करना है, जिससे पढ़ने के प्रति आजीवन लागाव को बढ़ावा मिले।

सेमिनार के दौरान, मुख्य केंद्र क्षेत्र होंगे–

- प्रारंभिक साक्षरता को समझना
- नवीन शिक्षण रणनीतियाँ
- पढ़ने के प्रति लागाव बढ़ाने के तरीके

जिला स्तर पर सेमिनार में जुड़ने के लिए ऑनलाइन लिंक दिया जायेगा|

विद्यालय स्तर पर संचालित की जाने वाली गतिविधियां

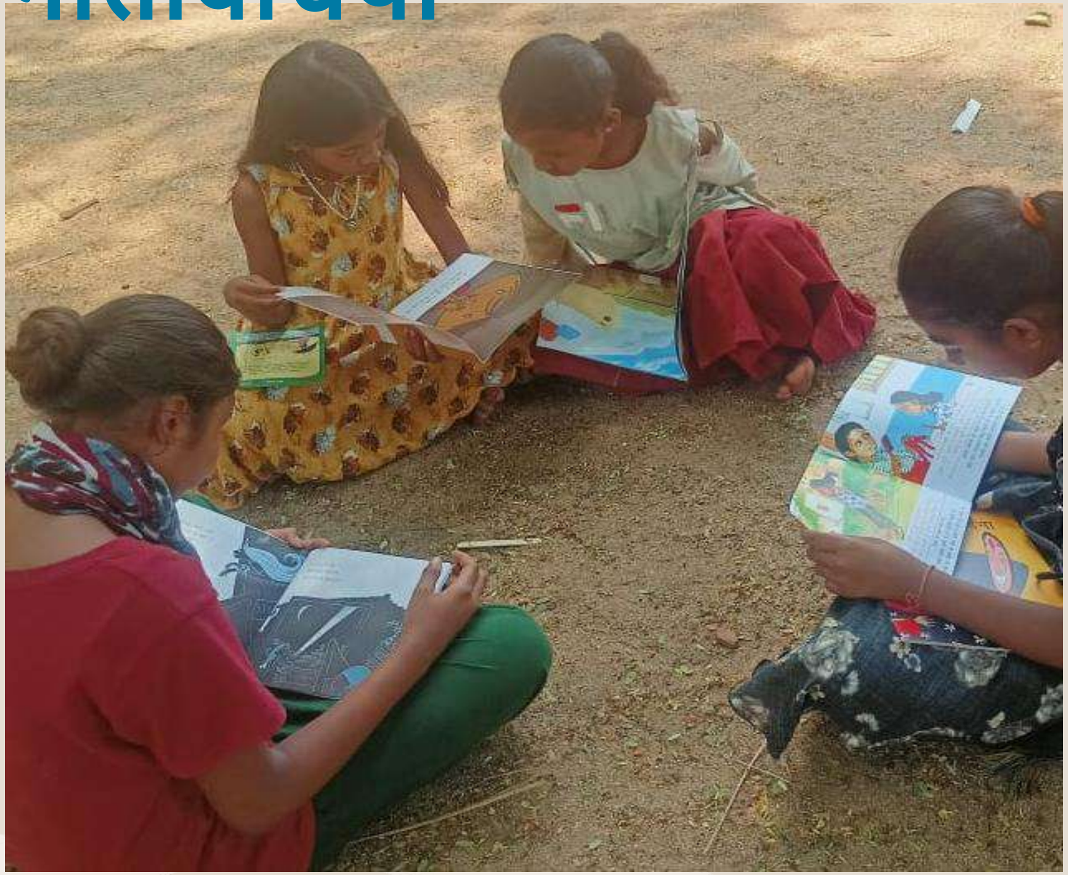

Week 1 – 27th August – 31st August 2024

27th August	• कक्षा में पुस्तकालय संवर्द्धन • राज्य स्तर पर मोबाइल लाइब्रेरी वैन को हरी झंडी दिखाना
28th August	• प्रतिज्ञा पठन
29th August	• कहानी कथन
30th August	• अभिनय और नाटक
31st August	• समझ के साथ पढ़ने से जुड़े खेल

विद्यालय स्तर पर संचालित की जाने वाली गतिविधियां

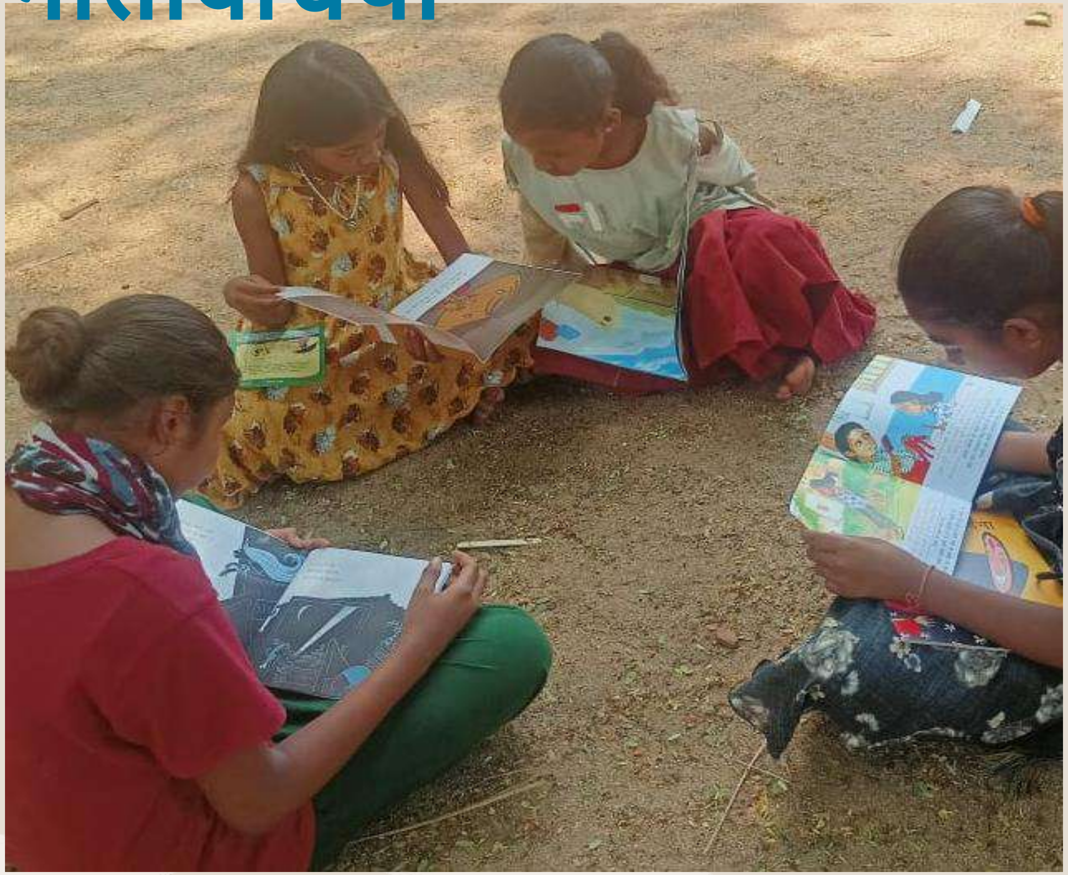

Week 2 – 2nd September – 7th September

2nd September	• ड्राइंग और पेंटिंग
3rd September	• रीडाथन
4th September	• लेखक / चित्रकार का परिचय
5th September	• मुखर वाचन
6th September	• परिवार के साथ पठन
7th September	• धाराप्रवाह पठन स्पर्धा

भूमिका और जिम्मेदारियां
(Role and Responsibilities)

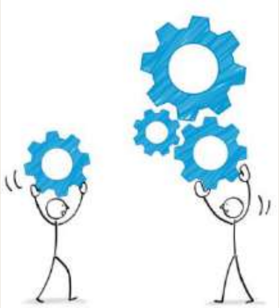

शिक्षक और विद्यालय कर्मचारी

- स्कूल स्तर पर गतिविधियों की योजना और संचालन।

- SMC सदस्यों और समुदाय के सदस्यों के साथ समन्वय करना।

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म परअभियान से संबंधित नियमित रूप से जुड़ना।

DIET संकाय

- स्कूल स्तर पर तकनीकी सहायता प्रदान करना।

- स्कूलों का भ्रमण करें और गतिविधियों में भाग लेना।

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभियान से संबंधित नियमित रूप से जुड़ना।

भूमिका और जिम्मेदारियां
(Role and Responsibilities)

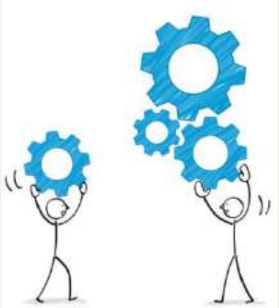

BRPs & CRPs	
	• पढ़ने की गतिविधियों में भाग लेना।
	• स्कूलों को तकनीकी और कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करना।
	• सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म परअभियान से संबंधित नियमित रूप से जुड़ना।

सहयोगी CSOs	
	• जिलों में गतिविधियों के संचालन में सहायता करना
	• जिला, ब्लॉक और स्कूल स्तर की पठन गतिविधियों में भाग लेना।
	• सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म परअभियान से संबंधित नियमित रूप से जुड़ना।

रिपोर्टिंग और अनुश्रवण (Reporting and Monitoring)

District Level

School Level

Read -a- Thon

- Weekly online google form
- District Level data
- No. of participants – Girls, Boys, Community members
- List of activities conducted

- On 3rd September
- No. of participants in Read – a – Thon

धन्यवाद